1857 के विद्रोह के कारण

प्रस्तुतिकरण
डॉ•परमजीत कौर
प्रवक्ता इतिहास
शहीद उधम सिंह सरकारी कॉलेज
सुनाम

1857 का विद्रोह

लॉर्ड कैनिंग के गवर्नर-जनरल के रूप में शासन करने के दौरान ही 1857 ई. की महान क्रान्ति हुई। 1857 की क्रांति की शुरुआत 10 मई, 1857 ई. को मेरठ से हुई थी, जो धीरे-धीरे कानपुर, बरेली, झांसी, दिल्ली, अवध आदि स्थानों पर फैल गया। इस क्रान्ति की शुरुआत तो एक सैन्य विद्रोह के रूप में हुई, परन्तु कालान्तर में उसका स्वरूप बदल कर ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध एक जनव्यापी विद्रोह के रूप में हो गया।

1857 विद्रोह के स्वतंत्रता सेनानी

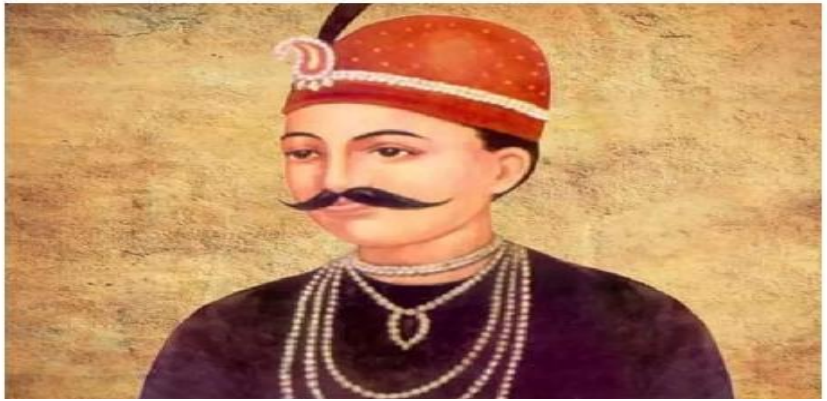

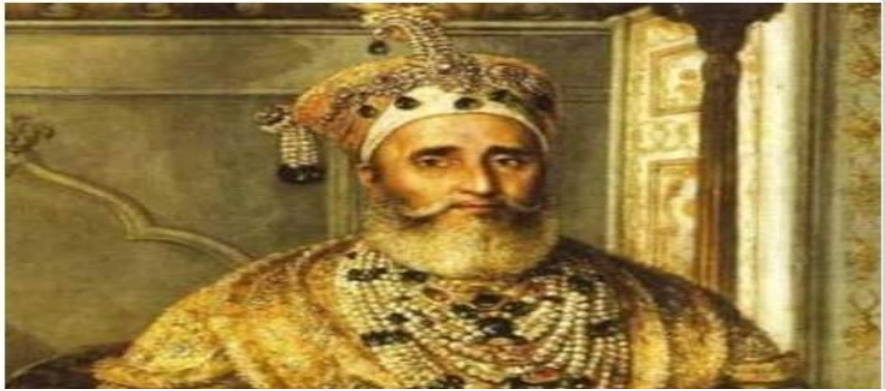

1857 के विद्रोह के कारण

- राजनैतिक कारण
- सामाजिक और धार्मिक कारण
- आर्थिक कारण
- प्रशासनिक कारण
- सैनिक कारण

राजनैतिक कारण

- **सहायक संधि** — अवध को अंग्रेजों ने अपने नियंत्रण में ले लिया था और नवाब को कोलकाता भेज दिया गया था।
- **डॉक्टिरन आफ लैप्स/हडप की नीती** ____ झाँसी को भी अंग्रेजों ने अपने कब्जे में लिया। गंगाधर राव के दत्तक पुत्र को वारिस मानने से इन्कार कर दिया गया।
- **मुगल बादशाह का अनादर**____ मुगल बादशाह को बता दिया गया कि वे आखिरी बादशाह होंगे और उन्हें बाकी उम्र पेंशन पर गुजारनी होगी वो भी लाल किले के बाहर।

सामाजिक और धार्मिक कारण

- **नस्लीय भेदभाव**-अंग्रेज भारत के लोगों को हीन और स्वयं को श्रेष्ठ समझते थे और हमारा अक्सर अपमान करते थे।
- ब्रिटिश सरकार ने मिशनारियों को ये आदेश दिया था कि वे भारतीयों का धर्मान्तरण करके इसाई बनाएं इससे हिन्दू और मुसलमानों के बीच अंग्रेजों के प्रति नफरत बढ़ती जा रही थी।
- सती प्रथा और भ्रूण हत्या जैसी कप्रथाओं को खत्म कर विधवा विवाह (विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856)को कानूनी तौर पर लागू करने से लोगों को यह लगने लगा, कि उनके सदियों से चली आ रही सामाजिक व्यवस्था को भंग किया जा रहा है।
- सेना में धार्मिक/जातीय प्रतीकों का इस्तेमाल ना करने देना। यरोपीय पहनावे तौर तरीकों को बढ़ावा देना।समुंदर पार करके सैनिकों को युद्ध के लिए भेजना ।

आर्थिक कारण

- **आर्थिक और सामाजिक शोषण**-सरकार देश के लोगों पर मन माना कर थोप देती थी, इस कारण गांव के कई लोगों की जमीन भी उनके हाथ से चली गई, जो विद्रोह का कारण बना
- **उदयोगों की बर्बादी**-इंग्लैंड में औदयोगिक क्रांति के बाद वहां का बना सामान सरकार हिंदुस्तान लाकर यहां बेचा करती थी, इससे हिंदुस्तान के व्यापार का विशेष रूप से कपड़े के व्यापार को काफी क्षति हुई।
- **आर्थिक शोषण**-इस समय भारत-इंग्लैंड के लिए महज एक कच्ची सामग्री प्राप्त करने का स्थान बन गया,इस कारण यहां के लोगों को बहुत अधिक घाटे का सामना करना पड़ता था,जिससे लोगों में सरकार के खिलाफ क्रोध बढ़ता गया।
- **कारीगरों की बर्बादी**- इंग्लैंड से फैक्ट्री के बने माल के आगे भारतीय

प्रशासनिक कारण

- **शासक और अधिकारियों का भ्रष्टाचार**-अधिकारी काफी भ्रष्ट थे जिससे जनता को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी, जनता उनकी ज्यादतियों परेशान थी।
- **घूस**- जनता को हर काम के लिए घूस देनी पड़ती थी। यहां तक की बड़े-बड़े जमींदार भी अपना काम निकलवाने के लिए घूस देते थे।
- **भारतीयों की महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति न होना**-किसी भी भारतीयों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त नहीं किया जाता था जिससे उनमें काफी असंतोष था।

सैनिक कारण

- **सिपाहियों में असंतोष**-सिपाहियों में नए कारतूसों को लेकर काफी असंतोष था।गाय और सूअर की चर्बी वाले कारतूसों को मुंह से चबा कर खोलना पड़ता था जो सिपाहियों की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ था।
- **कम वेतन**-यूरोपीय सैनिकों की तुलना में इन्हें काफी कम वेतन मिलता था जबकि युद्ध में यह आगे रहते थे।
- **उच्च पदों पर न पहुंचना**-किसी भी भारतीयों को उच्च सैनिक पदों पर नियुक्त नहीं किया जाता था उन्हें उचित पदोन्नति भी नहीं मिलती थी।
- **विदेश सेवा का कानून**-सन 1856 में लॉर्ड कैनिंग ने एक और कानून पास कानून निकाला जिसके अंतर्गत इन सेनानियों को ब्रिटेन जाकर भी नौकरी करनी पड़ सकती थी,इस वजह से

1857 के विद्रोह के परिणाम

- मुगल साम्राज्य का अंत
- क्राउन शासन की शुरुआत
- वायसराय की नियुक्ति
- राष्ट्रवाद का विकास
- भारतीय सेना का पुनर्गठन
- धार्मिक, न्यायिक और कूटनीतिक प्रभाव
- सामाजिक प्रभाव
- राष्ट्रवाद का विकास

Thanks